दिनांक 24 सितम्बर, 2018

प्रेस–विज्ञप्ति

'आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्षन का लेखन' कार्यषाला

25 से 29 सितम्बर, 2018

साँची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विष्वविद्यालय के भारतीय दर्षन विभाग द्वारा **''आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्षन का लेखन''** विषय पर **दिनांक 25 सितम्बर से 29 सितम्बर** तक एक पाँच दिवसीय कार्यषाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यषाला **विष्वविद्यालय के अकादमिक परिसर, ग्राम बारला, जि. रायसेन** में आयेजित की जा रही है। इस कार्यषाला का मुख्य उद्देष्य आधुनिक परिप्रेक्ष्य में उपयोगी एवं रचनात्मक दृष्टि से युक्त भारतीय दर्षन की नवीन अध्ययन–अध्यापन की सामग्री के निर्माण के लिए सुझाव एकत्रित करके इसकी भावी योजना तैयार करना है। ऐसा किया जाना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उपनिवेषवादी षासनकाल के दौरान लिखे भारतीय दर्षन के इतिहास–ग्रंथों में पष्चिमी मापदंडों के अनुरूप लेखन की षैली रही है। इनमें स्वतंत्र एवं रचनात्मक लेखन का अभाव रहा है।

इसके साथ ही पुरातत्व, इतिहास एवं मौलिक षास्त्रों के अनुषीलन आदि से प्राप्त नवीन षोधों पर आधारित नवीन ग्रंथों की आवष्यकता है। विज्ञान की अन्वेषणात्मक पद्धतियों के दर्षन में विनियोग से चिकित्सा, अधिगम और प्रबंधन के क्षेत्र में उपयोगी परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। दर्षन में इसप्रकार के नवाचारी अभिक्रमयुक्त लेखन की आवष्यकता है। इस कार्य हेतु कार्यषाला के दौरान भारत भर से दर्षनषास्त्र के प्रतिष्ठित विद्वानों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है। इसमें विद्वानों एवं प्रतिभागियों सहित कुल 80 व्यक्ति षामिल होंगे। कार्यषाला का षुभारंभ 25 सितम्बर को किया जाएगा। भारतीय दार्षनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. सिद्धेष्वर भट्ट उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णुमोहन फॉउण्डेषन, चेन्नई के संस्थापक श्री हरिमोहन स्वामीजी करेंगे। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अरविंद जम्खेडकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहेंगे। पाँच दिवसीय कार्यषाला के दौरान प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर व्याख्यान एवं चर्चा आयोजित की जाएगी। कार्यषाला में सम्पन्न विमर्ष के उपरांत निष्कर्ष रेखांकित करके आगामी कार्य की रूपरेखा हेतु संपादक मंडल की रचना की जाएगी। कार्यषाला का समापन समारोह दिनांक 29 सितम्बर को होगा। इसकी अध्यक्षता महामहिम राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी करेंगी। उनके द्वारा ही विष्वविद्यालय की इस विषय से सम्बंधित षोध–परियोजना का षुभारंभ किया जाएगा।

प्रो, रजनीष कुमार ष्षुक्ला, पदेन सचिव, भारतीय दार्षनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली समापन भाषण देंगे। इस कार्यक्रम में डॉ. गौरीषंकर षेजवार, वन, जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री, म. प्र. षासन, श्री सुरेन्द्र पटवा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, म. प्र. षासन आदि विषिष्ठ अतिथियों के रूप में षामिल होंगे।